

---

# Machchitte Sannidhim Kuru

—  
मच्चित्ते सन्निधिं कुरु  
—

## Document Information



---

Text title : Machchitte Sannidhim Kuru

File name : machchittesannidhiMkuru.itx

Category : misc, sanskritgeet, devI, devii, sarasvatI

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : vijayan vi. paTTAmbI

Acknowledge-Permission: Vijayan V. Pattambi

Latest update : August 11, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 12, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



मच्चित्ते सन्निधिं कुरु



सरस्वति नमस्तुभ्यं सर्वपापविनाशिके ।  
शारदे मायिके देवि ! मच्चित्ते सन्निधिं कुरु ॥ १ ॥

मातृरूपेण भूतेषु सततं संस्थिता हृदि ।  
सर्वेषां सौख्यलाभाय देवि तुभ्यं नमो नमः ॥ २ ॥

पद्मनाभप्रिये देवि पद्मपीठसुसंस्थिते ।  
पद्मगन्धेन सम्पन्ने पद्माक्षि ! पाहि मां सदा ॥ ३ ॥

शुभ्रवस्त्रप्रिये देवि रत्नहारविभूषिते ।  
शरच्चन्द्रोज्वले धन्ये चन्द्रिकाधवलप्रभे ॥ ४ ॥

कमण्डलुमक्षमालाञ्च धारयन्ती करेषु या ।  
सा मे चित्ततमः हन्तु सर्वपापानि सर्वदा ॥ ५ ॥

चलत्पद्मविलोलाक्षि ! विमले विश्वरक्षिके ।  
विलोलाक्षियुगे पुण्ये मच्चित्ते सन्निधिं कुरु ॥ ६ ॥

ब्रह्मणा शङ्करणापि विष्णुना चापि पूजिते ।  
सर्वदेवकुलैर्नित्यं पूजिते जगदम्बिके ॥ ७ ॥

जाड्यापहारिके देवि कष्टसङ्कटनाशिके ।  
शिष्टानां जनजालानां रक्षिके शक्तिरुपिणि ॥ ८ ॥

शिवे च शिवदे देवि शिवचित्तनिवासिनि ।  
शिवेतरविनाशाय शैलपुत्रि ! नमो नमः ॥ ९ ॥

पाहि पाहि सदा पाहि पावनेष्वतिपावने ।  
पापान्मां मोचय भद्रे परमानन्ददायिके ॥ १० ॥

- विजयन् वि. पट्टाम्बि

*Machchitte Sannidhim Kuru*

pdf was typeset on August 12, 2024

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

